

प्रेषक,

विनोद फोनिया,  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

उद्घान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक 31 दिसम्बर, 2010

विषय:-जिला पक्ष की योजना "रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार" अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत मूल बजट/अनुपूरक अनुदान में प्राविधानित सम्पूर्ण बजट के सापेक्ष अवशेष धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1940/रेशम/तक0अनु0/बजट/2010-11 दिनांक-11 नवम्बर, 2010 एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-542/XXVIII (1)/2010, दिनांक-04 अक्टूबर, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि प्रथम अनुपूरक अनुदान में जिला योजना "रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार" चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के आयोजनागत पक्ष में जिला सैक्टर की रेशम उत्पादन प्रसार प्रचार योजना हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार जनपदवार फाट आधार पर धनराशि रू0 4,50,000 (रू0 चार लाख पचास हजार मात्र) निम्नांकित शर्तों के अनुसार व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा एवं धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-187/XXVIII(1)/2010, दिनांक-30 मार्च, 2010 एवं पत्र संख्या-275/XXVII(1)/2010, दिनांक-25 मई, 2010 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3- धनराशि व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम/शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 5- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- 6- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि धनराशि अनावश्यक रूप से बैंको में पार्किंग के रूप में न रखी जाय।
- 7- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।



8- स्वीकृत की जा रही धनराशि विभागीय आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास संलग्न विवरण 0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार(जिला योजना) के अन्तर्गत निम्नलिखित मदों के नामे प्रस्तावित किया जायेगा-

मद	धनराशि रू० हजार में
02- मजदूरी	200
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	50
31-सामग्री और सम्पूर्ति	200
योग-	450

10- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शासकीय संख्या-517(P)/xxvii-4/2010, दिनांक-28 दिसम्बर, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति के कम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)  
सचिव।

संख्या-594(1)/XVI-2/10/7(30)/10, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग भाजरा, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
3. निदेशक, रेशम विकास विभाग, प्रेमनगर देहरादून।
4. उपनिदेशक, रेशम हल्लानी/देहरादून।
5. सहायक निदेशक, रेशम, गोपेश्वर/अल्मोड़ा।
6. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
9. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

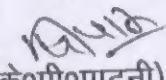
आज्ञा से,

(के०पी० पाटनी)  
अनु सचिव।

(धनराशि रुपये हजार में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	आहरण वितरण अधिकारी का नाम	जनपदवार आवंटित की जा रही धनराशि का विवरण। (अनु०सं०-29) 0791-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार
1	2	3	4
1	देहरादून	उपनिदेशक, रेशम, प्रेमनगर देहरादून	148
	हरिद्वार	—तदैव—	35
2	चमोली	सहायक निदेशक, रेशम, गोपेश्वर चमोली	27
	पौड़ी	—तदैव—	25
	टिहरी	—तदैव—	10
	उत्तरकाशी	—तदैव—	11
	रूद्रप्रयाग	—तदैव—	15
3	नैनीताल	उपनिदेशक, रेशम हल्द्वानी-नैनीताल	35
	उधमसिंहनगर	—तदैव—	18
4	अल्मोड़ा	सहायक निदेशक, रेशम अल्मोड़ा	17
	बागेश्वर	—तदैव—	72
	पिथौरागढ़	—तदैव—	37
		योग-	450

(रु० चार लाख पचास हजार मात्र)

  
(के०पी०पाटनी)  
अनु सचिव।